अ0शा0-परिपत्र संख्याः 01/2015

अरूण कुमार गुप्ता
आई0पी0एस0

पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश
1-तिलक मार्ग, लखनऊ ।

दिनॉकः जनवरी 04, 2015

प्रिय महोदय,

जन सामान्य में पुलिस की छबि सकारात्मक होने हेतु यह आवश्यक है कि पुलिस अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में अनुशासन, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही का आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपनी तय जवाबदेही को निभायें। बेसिक पुलिसिंग पर जोर देते हुए जन सामान्य को त्वरित राहत देने के उद्देश्य से व्यावसायिक दक्षता वृद्धि तथा अनुशासनात्मक एवं संवेदनशील आचरण से युक्त कार्यपद्धति अपनाने की आवश्यकता है। पुलिस के सभी स्तरों पर उत्तरदायित्वों के कुशल निर्वहन के प्रति जवाबदेही तय किये जाने की आवश्यकता है। जनता के बीच अच्छे टर्नआउट के साथ पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति अपने आप एक प्रशिक्षित एवं अनुशासित पुलिस बल का संदेश देती है। पुलिस के कार्यो में उच्च स्तर से दिये गये आदेशों की एक अलग महत्ता है तथा आदेशों का अनुपालन, अनुशासित पुलिस बल का एक अभिन्न अंग है, जिससे जटिल से जटिल कार्य भी सुगमता से सम्पन्न हो जाते हैं। अतः यह आवश्यक है कि सभी स्थानान्तरण आदेशों का अक्षरशः अनुपालन समयबद्ध तरीके से किया जाये ।

2. पारम्परिक रूप से पुलिस प्रशासन में आन्तरिक प्रबन्धन हेतु एवं जनता में सुरक्षा की भावना उत्पन्न कराने के लिये कुछ व्यवस्थायें प्रचलित है, जिन्हे जीवित रखते हुए सुदृढ़ तरीके से लागू किये जाने की आवश्यकता है। बीट में गश्त प्रणाली एवं सामान्य रूप से आम जनता के बीच पुलिस की मौजूदगी जहां अपराधियों में भय उत्पन्न करती है, वहीं आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ाती है। इसी के साथ अधिकारियों द्वारा आकस्मिक चेकिंग, पुलिस की विभिन्न इकाइयों में कार्य दक्षता बढ़ाती है तथा एक सचेत पुलिस बल को किसी भी विपरीत स्थितियों में सामान्य जनों को त्वरित राहत दिलाने में सहायक होती है। पुलिस की ऐसी त्वरित कार्यवाही, पुलिस की छबि सुधारने का एक सशक्त माध्यम है तथा जनपदीय पुलिस को अपना रिस्पान्स टाइम यथासम्भव कम से कम रखने की आवश्यकता है ।

3. एक सुचारू समाज में कारगर पुलिस की मौजूदगी का संदेश वहां की सुदृढ़ यातायात व्यवस्था से प्रतिबिम्बित होता है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ यातायात प्रबन्धन एक नई चुनौती के रूप में उभर आया है, जिससे योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक तकनीक के उपयोग के साथ निपटना आवश्यक है। इसी सुचारू समाज में सुदृढ़ लोक व्यवस्था सामाजिक एवं आर्थिक विकास हेतु आवश्यक है तथा किसी भी कारण से लोक व्यवस्था भंग होने पर उसे त्वरित एवं प्रभावी रूप से व्यवस्थित करने हेतु मानव एवं अन्य संसाधनों के उचित प्रयोग हेतु हमे सदैव तैयार रहना चाहिए। अतः यह आवश्यक है कि दंगा नियन्त्रण योजनाओं को हम समय-समय पर अद्यावधिक करते रहें तथा उसका अभ्यास भी करते रहें ।

4. जनता को त्वरित राहत तथा सामान्य जनों को समस्त पुलिस सेवायें सुलभता से प्रदान करना आज की आवश्यकता है। इस दिशा में हमे कतिपय कदम उठाने की आवश्यकता हैं, जो हमारी पारम्पारिक रीतियों को सरल एवं सकारात्मक बनायेंगे। यदि हम सामान्य जनों को बिना थाने पर गये, उनकी गुम वस्तुओं की आनलाइन रिपोर्टिंग की व्यवस्था उपलब्ध करा सकते हैं, तो उन्हे एक सुविधा प्रदान कराने के साथ-साथ एक मित्र पुलिस का संदेश भी दे सकते हैं। ठीक इसी प्रकार नौकरो एवं किरायेदारों के त्वरित सत्यापन से जहां आम नागरिक सुरक्षित हो जायेंगे वहीं पर ऐसे वर्गो में अवांछनीय तत्वों द्वारा किये जाने वाले अपराधों की भी रोकथाम होगी। सार्वजनिक स्थानों, मार्केट, शापिंग माल तथा लड़कियों के स्कूलों/कालेजों के आस-पास सीसीटीवी कैमरों द्वारा निगरानी भी अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु कारगर सिद्ध होगी। हमें जन सहयोग से सीसीटीवी कैमरों के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर देना होगा।

5. मैं अपेक्षा करता हूँ कि आप उपरोक्त बिन्दुओं/वरीयताओं के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही कराते हुए अनुपालन सुनिश्चित करेंगे ।

भवदीय,

(अरूण कुमार गुप्ता)

समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक,
उत्तर प्रदेश ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु प्रेषित :-

1. अपर पुलिस महानिदेशक, रेलवे, उ0प्र0 ।
2. अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध, उ0प्र0 ।
3. अपर पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था, उ0प्र0 ।
4. अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक, उ0प्र0 ।
5. अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात, उ0प्र0 ।
6. पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ/अपराध, उ0प्र0।
7. पुलिस महानिरीक्षक, कानून-व्यवस्था, उ0प्र0 ।